अहिंदी भाषियों को हिंदी भाषा सीखने में भाषा विज्ञान का योगदान

Dr.S.Abdul Muneer, M.A(Hindi),M.Ed,M.Phil,Ph.D
Teaching Guest Faculty in Dept of Hindi, SKD University Ananthapuram.
Cell:9581947364,9440921932, muneeraiman1983@gmail.com

परिचयः शिक्षण का एक विषय भाषा भी हैं। भाषा शिक्षण अन्य सभी विषयों से हटकर हैं क्योंकि अन्य विषयों को जानने तथा समझने केलिए व्यक्ति के पास सब से पहले भाषा होनी चाहिए। भाषा के अभाव में कोई भी ऐसा विषय नहीं हैं जो जाना तथा समझा जा सके। भाषा की महत्ता के बारे में प्रारंभ से लेकार आधुनिक जन साधारण तक बहुत सारी महत्वपूर्ण बातों दृष्टव्य हैं। भाषा शिक्षण करते समय अध्यापकों को अतिसावधानी बरतनी होगी क्योंकि भाषा शिक्षण तब किया जाता हैं जब तक बालक या व्यक्ति अपनी मातृभाषा में परिपक्व हुआ होता ह।

वर्ग अ) ऐसे शब्द जिनके अर्थ हिंदी और संस्कृत में समान हैं लेकिन तेलुगु में उस मूल अर्थ के साथ एक और अर्थ विकसित हो गया हैं। जैसेः कल्याण शब्द संस्कृत व हिंदी में– मंगल,शुभ, श्रेष्ठ आदि अर्थों में हैं। तेलुगु में अर्थ– विवाह।

वर्ग ब) ऐसे शब्द जिनक अर्थ तेलुगु और संस्कृत में समान हैं परंतु हिंदी में उस मूल अर्थ के साथ एक और अर्थ विकसित किया हैं। जैसेः संस्कृत और तेलुगु अर्थ– विनय, अनुसाशन, शिष्टाचार, विनम्रता आदि। हिंदी अर्थ– प्रार्थना।